# MT - 114

**2014 ..... ... 1100** **Seat No.** | | | | | | | |

**MT 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - II - PAPER - V**

**Time : 3 Hours** **(Pages 6)** **Max. Marks : 80**

**सूचना - शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।**

**प्रश्न 1. अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :** **2**

1. लेन - देन की बातें तय करने के लिए चपरासी ग्वाले को ----------
   (अ) बड़े साहब के पास ले गया।
   (ब) उधर एक कोने में ले गया।
   (क) पास वाले एक होटल में ले गया।

2. राजकुमार के अचंभे की सीमा नहीं रही क्योंकि - ----------
   (अ) साधु उसे पहचानता था।
   (ब) हिरन वायु वेग से दौड़ रहा था।
   (क) साधु राज्य के सारे दुष्टों को जानता था।

**आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए। पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए :** **3**

1. परंतु लगन वाले ..... कटु बोलते हैं।
2. मूल रूप से यह एक ..... वृक्ष है।
3. आवाज लगाना ..... जारी था ही था।

**इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक</u> <u>वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

1. पहाड़ी कन्या किसकी तरह थी ?
2. प्रीति मोंगा के लिए हेलेन केलर आदर्श क्यों हैं ?
3. संन्यासी के गाने में कैसी मधुरता थी ?
4. सुबह होने पर रामू की बहू ने क्या देखा ?
5. राजा फाँसी चढ़ने को क्यों तैयार हो गया ?

ई) **निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :** **2**

1. ''आपका प्रेम और वैराग्य सराहनीय है।''
2. ''वाह ! वाह ! बड़ा आनंद है।''

उ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 -70 शब्दों) में लिखिए :** **9**

1. कबरी बिल्ली ने रामू की बहू को किस प्रकार तंग कर रखा था।
2. पलाश बहुपयोगी वृक्ष क्यों है ?
3. हमारी यात्रा की प्यास हमारी मर्यादाओं और बंधनों में किस तरह अटकी रहती है ?
4. आधी रात में विशाल प्रासाद में राजकुमार ने कौन-सा दृश्य देखा ?
5. मंगली की पारिवारिक स्थिति कैसी थी ?

ऊ) **निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

''भष्टाचार के घूसरेट फिक्स हैं। अगर तू बीस सेर में दस सेर दूध लाता है तो पाँच रुपए हफ्ता देना पड़ेगा। ज्यादा जल डालेगा तो हफ्ते के रेट भी बढ़ जाएँगे।''

''अगर मैं बिल्कुल न मिलाऊँ तो ?''

चपरासी खीझ जाता। कहता, ''अबे, पानी तो मिलाया ही कर। वरना तू क्या खाएगा और हम क्या खाएँगे? हमारे साहब को भी दूध में पानी मिलाने में एतराज नहीं है। उन्हें एतराज है, हफ्ता न देने का। अब तू जा और दूसरे दूधवालों को भी समझा दे। मिल-जुलकर जो होता है, वह भ्रष्टाचार नहीं होता।''

1) चपरासी के अनुसार हफ्ते के रेट कब बढ़ेंगे ?
2) चपरासी दूधवाले को किस बात के लिए उकसाता है ?
3) चपरासी सामूहिक भ्रष्टाचार का समर्थन कैसे करता है ?

**प्रश्न 2. क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए :** **3**

1. क्या करोगे ..... को क्या देखना है।
2. हम ..... हो रहे विकास में।
3. क्षितिज अटारी गहराई ..... दमकी ।

ख) **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

1. ताल ने हर्षित होकर क्या किया ?
2. किसके रूठने पर हमें ठौर नहीं मिलता ?
3. कोयल कब मौन साध लेती है ?

ग) efecveefeefKele Heefþle HeodeebMe keÀDeeOeej Hej Het sieS HeÑveeWkeÀG llej **<u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :** **3**

पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए,
आँधी चली, धूल भागी घाघर उठाए,
बाँकी चितवन उठा, नदी ठिठकी, घूँघट सरके ।
मेघ आए बड़े बन - ठन के सँवर के ।

1. मेघों के आने पर कौन चली, कौन भागी ?
2. 'बाँकी चितवन' का क्या अर्थ है ?
3. बन - ठनकर कौन आया ?

**घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए :** **3**

1. निर्झर कहता है - बढ़े चलो, तुम पीछे मत देखो मुड़कर ।
यौवन कहता है - बढ़े चलो, सोचो मत क्या होगा चलकर ।।

**ड़) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए :** **6**

1. चंद्रमा का खिलौना न मिलने पर कृष्ण अपनी माँ यशोदा से क्या कहते हैं ?
2. 'मेघ' रूपी 'मेहमान' के आने से प्रकृति में क्या परिवर्तन हुए ?
3. कवि स्वार्थ और नींद के भाव से जागकर क्या करने की प्रेरणा देता है ?

**प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए :** **8**

1. अतिथिशाला के माली का वर्णन कीजिए ।
2. थिंफू नरेश कहाँ रहते हैं और क्यों ?
3. पंडित गंगाधर शास्त्री की कर्तव्यपरायणता स्पष्ट कीजिए ।
4. हिंदुस्तान के जनजीवन एवं जनमानस पर तुलसी के प्रभाव को पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

**अथवा**

**निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से <u>किसी एक</u> का सार लिखिए :**

1. तुलसी का बिरवा
2. गंगाबाबू हैं कौन ?

**प्रश्न 4. च) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :** **1**

1. आजकल 2. वाह !

**छ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए :** **1**

1. दूधवाले ने कुछ कहना चाहा <u>पर</u> वह सुनने के मूड में नहीं था ।
2. <u>उन्होंने</u> मुझसे कहा ।

ज) **निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए :** **1**

1. घोड़ा बेदम हो गया है । (सामान्य भविष्यकाल)
2. बहुत से नेता आए । (अपूर्ण वर्तमानकाल)

झ) **निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए :** **1**

1. नौकरों पर उसका हुक्म चलने लगा ।
2. तुम भ्रष्टाचार छोड़ दो ।

**अथवा**

**निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।**

1. उठना 2. लगना

ट) **निम्नलिखित क्रियाओं में से <u>किसी एक</u> क्रिया के प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए :** **1**

1. मरना 2. सुनना

**अथवा**

**निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :**

1) चौकीदार ने सीटी बजाई ।
2) दादी ने दीदी से कहकर नौकर द्‌वारा फल फिकवाएँ ।

ठ) **निम्नलिखित अशुद्‌ध वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों को शुद्‌ध करके लिखिए :** **2**

1. निराशा ने पनाह ले लिया ।
2. मैं काकरोच को डरती है ।
3. यहाँ की घी बहुत शुद्‌ध होती हैं ।

**अथवा**

**निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए:**

1) किसी ने कहा जब कष्ट हो रहा था तो आप रूके क्यों नहीं
2) मैंने कहा भैया मत रोओ सिर दुखेगा
3) अब चपरासी कहता अब कचहरी में मिलना

(ड) **निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं तीन</u> मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए:** **3**

1. साँस फूलना । 2. पता चलना
3. साफ कर देना 4. मुँह मोड़ना
5. दीवार टूट जाना

अथवा

**निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :**

**(गुदगुदा देना; नाक - भौं सिकोड़ना; चैन न मिलना, खिल - खिलाकर हँसना, तरह देना।)**

1) जब तक माँ का दिया हुआ काम पूरा नहीं होगा कुसुम छुटकारा नहीं पा सकेगी ।
2) छोटी बहन को दौड़ में पहली आती हुई देखकर सावित्री अत्यंत प्रसन्नता के साथ हँसने लगी ।
3) अप्रिय बात सुनकर हममें से कोई भी तिरस्कार प्रकट करेगा ।
4) हमारे जीवन में आनंददायी क्षण बहुत कम होते हैं ।
5) पुनीत ने अपनी गलती पर पिताजी से क्षमा - याचना की ।

**प्रश्न 5. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए : 10**

1. भाषा मनुष्य के लिए वरदान ।
2. वर्तमान जीवन में बिजली का महत्त्व ।
3. पेड़ की आत्मकथा ।
4. यदि मैं समाजसेवक बनूँ ..... ।

**प्रश्न 6. (त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से किसी एक पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए : 4**

प्रेम / प्रतिमा वर्मा 4 / सी रूप दर्शन, रामपुर, थाना से स्वास्थ्य अधिकारी नगर परिषद, थाना को अपने मुहल्ले की गंदगी की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए शिकायत पत्र लिखता / लिखती है ।

अथवा

सुधाकर / सुमन पांडे, सुंदर भवन, शनिवार पेठ, पूना – 422020 व्यवस्थापक, सूरज पुस्तक भंडार, शास्त्री रोड, आगरा 322001 के नाम लिखकर नीचे लिखी गई पुस्तकें वी.पी.पी. से भेजने की माँग करता / करती है ।

अथवा

**निम्नलिखित विज्ञापन का प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए ।**

आपको अपना घर किराये पर देना है - विज्ञापन देने के लिए विज्ञापन पत्र

**थ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए । यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है । 4**

**रूपरेखा :** एक भिखारी – दीनहीन – लक्ष्मी माँ से प्रार्थना – लक्ष्मी प्रसन्न – वरदान – मुहरों की माँग – लालच – देवी की शर्त 'मुहरें जमीन पर गिरने पर उनकी मिट्टी होगी ।' – भिखारी की फटी-पुरानी झोली – झोली फैलाना – लक्ष्मी माँ का मुहरें देना – लालच बढ़ना – झोली का भर जाना और फटना – मुहरों का बिखरना – सीख ।

(द) **निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक - एक वाक्य में हो :** **4**

वार्तालाप की शिष्टता मनुष्य को आदर का भाजन बनाती है और समाज में उसकी सफलता के लिए रास्ता साफ कर देती है। मनुष्य का समाज पर जो प्रभाव पड़ता है, किंतु विषभरे कनकघटों की संसार में कमी नहीं है। यह प्रभाव ऊपरी होता है और पोशाक का मान जब तक भाषण से पुष्ट नहीं होता है, तब तक स्थायी नहीं होता। मधुर भाषी के लिए करनी और कथनी का साम्य आवश्यक है किंतु कर्म के लिए वचन पहली सीढ़ी है। मधुर वचन ही विश्वास उत्पन्न कर भय और आतंक का परिमार्जन कर देते हैं। कटु भाषी लोगों से लोग हृदय खोलकर बात करने से डरते हैं। सामाजिक व्यवहार के लिए विचारों का आदान - प्रदान आवश्यक है और वह भाषा की शिष्टता और स्पष्टता के बिना प्राप्त नहीं होता। भाषा की सार्थकता इसी में है कि वह दूसरों पर यथेष्ट प्रभाव डाल सके। जब बुरे वचन आदमी को रुष्ट कर सकते हैं तो मधुर वचन दूसरे को प्रसन्न भी कर सकते हैं। शब्दों का जादू बड़ा जबर्दस्त होता है।

**Best of Luck**

# MT - 114

**2014 ..... ... 1100**

**MT 114 - HINDI (ENTIRE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - II - PAPER - V**

**Time : 3 Hours** **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 80**

| | | |
|---|---|---|
| उ.**1**. | **अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए :** | |
| 1. | लेन - देन की बातें तय करने के लिए चपरासी ग्वाले को **उधर एक कोने में ले गया ।** | **1** |
| 2. | राजकुमार के अचंभे की सीमा नहीं रही क्योंकि **साधु उसे पहचानता था ।** | **1** |
| | **आ) निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित गद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए । पूर्ण वाक्य लिखकर प्रयुक्त शब्द अधोरेखांकित कीजिए :** | |
| 1. | परंतु लगन वाले **लोग** कटु बोलते हैं । | **1** |
| 2. | मूल रूप से यह एक **जंगली** वृक्ष है । | **1** |
| 3. | आवाज लगाना **बदस्तूर** जारी था ही था । | **1** |
| | **इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए :** | |
| 1. | पहाड़ी कन्या वर्डस्वर्थ की 'लूसी' की तरह थी । | **1** |
| 2. | प्रीति मोंगा के लिए हेलेन केलर आदर्श हैं क्योंकि उन्होंने दृष्टिहीनों के लिए पढ़ना - लिखना सुलभ कर दिया । | **1** |
| 3. | संन्यासी के गाने में कोयल की कूक जैसी मधुरता थी । | **1** |
| 4. | सुबह होने पर रामू की बहू ने देखा कि कबरी देहरी पर बैठी बड़े प्रेम से उसे देख रही है । | **1** |
| 5. | राजा फाँसी चढ़ने को तैयार हो गया क्योंकि महंत ने कहा था कि उस शुभ घड़ी में जो मरेगा वह सीधे स्वर्ग जाएगा । | **1** |
| | **ई) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य को किसने किस संदर्भ में कहा है ? पठित गद्यपाठों के आधारपर लिखिए :** | |
| 1. | संन्यासी की कुटी पर राजकुमार संन्यासी का मनमोहक गाना सुनकर आनंदित हो गया था । गाना समाप्त होने पर वह संन्यासी के सामने जाकर बैठ गया । उसी समय राजकुमार ने भक्तिपूर्वक भावविभोर होकर यह वाक्य कहा था । | **2** |
| 2. | गोवर्धनदास अपने महंत के आदेश पर नगर में भिक्षा माँगने जाता है । वहाँ पर वह कुँजड़िन से भाजी तथा हलवाई से मिठाई का भाव पूछता है । दोनों का एक ही उत्तर होता है 'टके सेर' तब गोवर्धनदास इस उत्तर को सुनकर अत्यधिक प्रसन्न होकर अपनी प्रतिक्रिया देता है, ''वाह ! वाह! बड़ा आनंद है ।'' | **2** |

उ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप (60 -70 शब्दों) में लिखिए :**

1. लेखक 'भगवतीचरण वर्मा'जी ने 'प्रायश्चित' पाठ के माध्यम से धर्म के नाम पर श्रद्धा और विश्वास के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों की स्वार्थभरी मानसिकता पर करारा व्यंग्य किया है। **3**

रामू की बहू मायके से प्रथम बार ससुराल आई। वह बालिका जैसी अबोध व भोली थी। पति की प्यारी व सास की दुलारी। सास ने घर -भर की सारी जिम्मेदारी बहू को सौंप दी और माला लेकर पूजा पाठ में मन लगाने लगी। भंडारघर की चाबी बहू की करधनी में लटकने लगी। नौकरों पर उसका हुक्म चलने लगा। बहू से कभी भंडारघर खुला रह जाता तो कबरी बिल्ली को मौका मिल जाता और वह घी दूध पर जुट जाती। रामू की बहू हाँड़ी में घी रखते - रखते ऊँघ गई और बचा हुआ घी कबरी के पेट में। रामू की बहू दूध ढँककर मिसरानी को कुछ सामान देने गई और दूध नदारद। रामू की बहू ने रामू के लिए कमरे में रबड़ी से भरी कटोरी रखी। रामू जब तक आए तब तक कबरी बिल्ली कटोरी में रखी रबड़ी को चट कर गई। बाजार से मलाई मँगवाई गई जब तक रामू की बहू ने पान लगाया इतने में मलाई गायब।

इस प्रकार रामू की बहू को कबरी बिल्ली ने इतना तंग किया कि उसकी जान आफत में आ गई।

2. लेखक डॉ. 'परशुराम शुक्ल' जी द्वारा लिखित पाठ 'पलाश' में पलाश के वृक्ष का सरल, सुलभ भाषा में बहुत ही सुंदर ढंग से परिचय कराया गया है। **3**

पलाश बहुपयोगी वृक्ष है क्योंकि इसके विभिन्न अंगों का उपयोग अलग -अलग कार्यों में किया जाता है। पलाश की लकड़ी से छोटे - छोटे तख्ते, कुएँ के चाक बनाए जाते हैं। पलाश की लकड़ी जलाने के लिए बहुत अच्छी मानी जाती है। इसका कोयला शीघ्र आग पकड़ लेता है। इसका उपयोग गनपावडर के रूप में किया जाता है। पलाश के फूलों से तैयार किए गए रंग से होली खेली जाती है। इसके पत्तों से पत्तल - दोने आदि बनाए जाते हैं। पलाश के पत्ते हाथियों का प्रिय भोजन है। कई जानवर इसे बड़े शौक से खाते हैं। पलाश के तने, छाल और जड़ों से कागज बनाया जाता है। इसका उपयोग रस्सियाँ बनाने में किया जाता है। लाख के कीड़े पालने के लिए भी पत्तों का उपयोग करते हैं। पलाश की फलियों का उपयोग देशी और आयुर्वेदिक औषधियों के निर्माण में किया जाता है।

इस प्रकार पलाश हमारे जीवन में कई तरह से उपयोगी वृक्ष है।

3. सुप्रसिद्ध लेखक 'धर्मवीर भारती' जी ने 'कूर्मांचल में कुछ दिन' नामक यात्रा - संस्मरण पाठ में हिमालय का द्वार समझे जाने वाले 'कूर्मांचल' के प्राकृतिक सौंदर्य का हृदयस्पर्शी वर्णन किया है। **3**

पहाड़ी बालिका की करुण लोककथा में उसकी मार्मिक पुकार 'जुहो' और उसकी निष्ठुर सास का 'भोल जाला' कर्कश उत्तर लेखक के मन को बहुत गहरे तक छू गया। उसने महसूस किया कि ऐसे घाव तो हम सबके मन में होते हैं। कभी - कभी हमारा मन एक जैसी नीरस दिनचर्या से भरी जिंदगी से थक - हारकर अपनी ऊब मिटाने के लिए कही दूर देश की हरी - भरी घाटियाँ देखने के लिए बेचैन हो उठता है। तब हम अपने आप से पूछते हैं; 'जुहो ? (जाऊँ?)' लेकिन हम अपनी ही जिंदगी की क्रूर परिस्थितियों में बँधे हुए मजबूर होते हैं। हमारी अपनी कुछ विवशताएँ होती हैं; मर्यादाएँ होती हैं, जो

हमारे अपने ही प्रश्न का उत्तर दिलाती हैं - 'भोल जाला (कल सुबह जाना) ।' लेकिन सुदूर जाने की हमारी इच्छाएँ कभी तृप्त नहीं होती । हम कसमसाकर वास्तविक सुंदरता के उस धन को खोजते रहते हैं जो हिमालय जैसे स्थानों में बसा है ।

इस तरह हमारी यात्रा की प्यास हमारी मर्यादाओं और बंधनों में अटकी रहती है ।

4. अमर कहानीकार 'प्रेमचंद' जी ने 'शिकारी राजकुमार' पाठ में स्वार्थलोलुप, हिंसक, विलासी शासकों को फटकारते हुए जनकल्याण के प्रति शासक के धर्म पालन की उम्मीद जताई है । **3**

संन्यासी और राजकुमार चाँदनी रात में आगे बढ़ते हुए एक बस्ती के निकट पहुँचे । वहाँ उन्होंने एक बड़ा प्रासाद (महल) देखा । वे दोनों एक मौलसरी के पेड़ पर चढ़कर बैठ गए । संन्यासी ने राजकुमार से कहा कि इस प्रासाद में एक बड़ा भयानक हिंसक जीव रहता है, जिसने अनगिनत लोगों का वध किया है। हम लोग आज उसको संसार से मुक्त कर देंगे । संन्यासी की बात सुनकर राजकुमार प्रसन्न हुआ । उसने बंदूक सँभाल ली और शिकार की प्रतीक्षा करने लगा । आधी रात के बाद वहाँ कुछ हलचल हुई । उसी समय बैठक के द्वार खुले । मोमबत्तियों के जलाने से सारा परिसर रोशन हो गया । कमरे के हर कोने में सुख की सामग्री दिखाई दे रही थी । राजकुमार ने देखा कि एक हृष्ट - पुष्ट मनुष्य गले में रेशमी चादर डाले माथे पर तिलक लगाए, मसनद के सहारे बैठा । सुनहरी मुँहनाल से लच्छेदार धुआँ फेंक रहा था । इतने में उन्होंने देखा कि नर्तकियों के दल- के दल चले आ रहे हैं । उनके हाव - भाव व कटाक्ष के बाण चलने लगे । समाजियों ने सुर मिलाया । गाना आरंभ हुआ और साथ - ही - साथ मद्यपान भी चलने लगा । संन्यासी ने राजकुमार को बताया कि यह व्यक्ति एक बड़े मंदिर का महंत (पुजारी) है ।

इस प्रकार आधी रात में विशाल प्रासाद में राजकुमार ने एक महंत का दुराचारी और विलासी रूप देखा ।

5. लेखक 'दामोदर खड़से' जी ने 'साहब फिर कब आएँगे माँ ?' पाठ में गरीबी लाचारी दुख और आर्थिक विषमता से घिरी अभावग्रस्त जीवन का मार्मिक चित्रण किया है । **3**

होटल गोल्डन गेट में बर्तन माँजने का काम करने वाली मंगली एक साधारण नौकरानी थी । पहाड़ की तराई पर बसी एक बहुत ही घनी झोपड़पट्टी में वह अपने परिवार सहित रहती थी । उसकी छोटी - सी झोपड़ी में एक छोटा-सा टीन का दरवाजा था । उसकी झोपड़ी में पानी और बिजली का अभाव था। पानी के लिए उसे बहुत दूर तक जाना पड़ता था । रात में रोशनी के लिए घर में एक छोटी - सी ढिबरी जलाई जाती थी । उसकी तीन संतानें थी । छोटा बेटा दो वर्ष का था जिसे उसकी छह वर्षीय बेटी सँभालती थी । दस वर्षीय बड़ा बेटा पिछले कुछ दिनों से होटल के एक ठेले पर काम कर रहा था । उसका शराबी पति चौकीदारी का काम करता था । शराब की लत छोड़ने के लिए मंगली उसके सामने अक्सर गिड़गिड़ाती थी परंतु वह नहीं मानता था । घर में दरिद्रता का साम्राज्य फैला हुआ था । उसका परिवार रूखी - सूखी खाकर बदहाली और अभावग्रस्त जीवन जीने के लिए मजबूर था । झोपड़ी टूटने का डर उसे लगातार सताते रहता था । होटल में मंगली बरतन माँजकर किसी तरह दिन काट रही थी ।

| | | |
|---|---|---|
| | इस बीच जब कभी बच्चों के लिए होटल से बचा - खुचा स्वादिष्ट भोजन उसे दे दिया जाता, तो उसी में उसके परिवार को अत्यधिक आनंद की अनुभूति होती थी ।<br>इस प्रकार मंगली की पारिवारिक स्थिति अत्यंत गरीबी, विवशता की पीड़ा और अभावग्रस्त जीवन से भरी हुई थी । | |
| | **ऊ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए :** | |
| 1) | चपरासी के अनुसार हफ्ते के रेट दूधवालों द्वारा अधिक पानी डालने पर बढ़ेंगे । | **1** |
| 2) | चपरासी दूधवाले को दूध में अधिक पानी मिलाते रहने के लिए उकसाता है । | **1** |
| 3) | चपरासी मिल - जुलकर किए जाने वाले लेन - देन रूपी भ्रष्टाचार को भ्रष्टाचार नहीं मानते हुए सामूहिक भ्रष्टाचार का समर्थन करता है । | **1** |
| उ.**2**. | **क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियों के रिक्त स्थानों की पूर्ति पठित पद्यपाठों में प्रयुक्त शब्दों से कीजिए :** | |
| 1. | क्या करोगे **सूर्य** को क्या देखना है । | **1** |
| 2. | हम **अभिन्न** हो रहे विकास में । | **1** |
| 3. | क्षितिज अटारी गहराई **दामिनी** दमकी । | **1** |
| | **ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए :** | |
| 1. | ताल ने हर्षित होकर परात भरकर पानी लाया । | **1** |
| 2. | गुरु के रूठने पर हमें ठौर नहीं मिलता । | **1** |
| 3. | वर्षा ऋतु आने पर कोयल मौन साध लेती है । | **1** |
| | **ग) निम्नलिखित पठित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक - एक वाक्य में लिखिए :** | |
| 1. | मेघों के आने पर आँधी चली और धूल भागी । | **1** |
| 2. | 'बाँकी चितवन' का अर्थ है सौंदर्य भरी तिरछी नजर । | **1** |
| 3. | बन - ठनकर मेघ आया । | **1** |
| | **घ) निम्नलिखित पठित पद्यखंड का सरल गद्यार्थ लिखिए :** | |
| 1. | **भावार्थ :** मनुष्य को आगे बढ़ते समय ज्यादा सोच - विचार नहीं करना चाहिए और कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए । झरना हमें यह संदेश देता है कि मार्ग में कितनी भी रुकावटे क्यों न हो, कैसी भी स्थिति क्यों न हो परंतु हमें निरंतर आगे ही बढ़ते रहना चाहिए । इसी तरह युवावस्था का यह संदेश है कि हम सतत चलते रहें । हम यह न सोंचे कि लगातार चलते रहने से क्या लाभ होगा ।<br>यदि मनुष्य को जीवन में सफलता प्राप्त करनी है तो उसे निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए और कभी यह नहीं सोचना चाहिए कि उसका फल कब मिलेगा ? | **3** |

**ड़) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लिखिए :**

1. सुप्रसिद्ध कवि 'सूरदास' जी ने 'सूरदास के पद' कविता में ब्रज की नारियों द्वारा माँ यशोदा से बालक कृष्ण की शिकायत मक्खन चुराने की शिकायत करने तथा बालक कृष्ण द्वारा चंद्र खिलौना पाने का हठ करने पर माँ यशोदा द्वारा कृष्ण को बहलाने का सुंदर सजीव चित्रण किया है। **3**

कृष्ण माँ यशोदा से चंद्रमा को पाने की जिद करते हैं ।वे कहते हैं कि यदि मुझे चंद्रमा का खिलौना नहीं मिला तो मैं धौरी (सफेद) गाय का दूध नहीं पिऊँगा, सिर पर चोटी नहीं गूथने दूँगा, मोती की माला नहीं पहनूँगा और कुर्ता भी नहीं पहनूँगा । अगर तुमने मेरी बात नहीं मानी तो मैं अभी जमीन पर लोट जाऊँगा और तेरी गोद में नहीं आऊँगा । मैं नंदबाबा का बेटा कहलाऊँगा, तेरा बेटा भी नही कहलाऊँगा ।

इस प्रकार चंद्रमा का खिलौना न मिलने पर कृष्ण अपनी माँ यशोदा को धमकी भरी बातें कह कर उनसे चंद्र खिलौना लाने की जिद करते हैं ।

2. कवि 'सर्वेश्वरदयाल सक्सेना' जी ने 'मेघ आए' कविता में बादलों के आगमन पर प्रकृति में होनेवाले परिवर्तन का मनोहारी सजीव चित्रण किया है । **3**

कवि ने मेघों को धरती पर आया हुआ मेहमान कहा है । संपूर्ण प्रकृति उस मेहमान के स्वागत में गतिशील हो गई है । सनसनाती तेज हवा मेहमानों के आगे - आगे चलकर उन्हें राह दिखा रही है । घर के दरवाजे और खिड़कियाँ खुलने लगे हैं । मेहमान के आगमन को देखने के लिए धूल अपना घाघरा उठाकर भाग रही है । नदी का घूँघट खिसक गया है, जैसे वह तिरछी नजर से बादलों को देखे जा रही हो । पीपल का बूढ़ा पेड़ आगे बढ़कर मेहमान का स्वागत कर रहा है । दरवाजे की ओट से लता मेहमान द्वारा एक वर्ष बाद सुधि लेने की उलाहना दे रही है । तालाब मेहमान का पाँव पखारने के लिए परात भरकर पानी ले आया है । मेहमान के आगमन से बिजली इतनी अधिक प्रसन्न है कि पूरी प्रकृति को वह अपने प्रकाश से प्रकाशमान किए जा रही है ।

इस प्रकार 'मेघ' रूपी 'मेहमान' के आने से पूरी प्रकृति खुशी से झूमकर उसके स्वागत में जुट गई है ।

3. कवि 'सुमित्रानंदन पंत' जी ने 'जनगीत' कविता में सभी मानवों को एकता के सूत्र में एक हो जाने के संकल्प के साथ अन्याय, शोषण एवं उत्पीड़न को समाप्त कर 'मुक्तव्यक्ति' और संगठित समाज की कल्पना की है । **3**

कवि नए समाज की नई सुबह देखने के लिए बेचैन है । उसने एक ऐसे समाज की कल्पना की है, जिसमें निजी स्वार्थ न हो । हमें अपने निजी स्वार्थ को त्यागना होगा । अज्ञान की नींद से जागना होगा । हमें अपने में नया उत्साह, नई चेतना जगानी होगी । ऐसे किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय न हो जो सार्वजनिक हित के कार्यों में लगा हो । सामूहिक भावना से कार्य करते हुए सबको समान मान-सम्मान और महत्त्व देना होगा । सभी के मन में नया उत्साह भरना होगा और सबको आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना होगा ।

इस प्रकार कवि हमें स्वार्थ और नींद के भाव से जागकर सर्वजन कल्याण की भावना से काम करने की प्रेरणा देता है ।

| | | |
|---|---|---|
| उ.**3.** | **निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पूरक पाठों के आधार पर 70 - 80 शब्दों में लिखिए :** | |
| 1. | सुप्रसिद्ध लेखिका गौरा पंत 'शिवानी' जी ने 'गंगा बाबू हैं कौन ?' पाठ में एक ऐसे व्यक्तित्व का वर्णन किया है जो अनेकानेक संस्मरणों का जीता - जागता शब्दकोश है।<br>लेखक शिवानी जी द्वारा विद्यापीठ की अतिथिशाला में पहुँचने के कुछ समय बाद ही विद्यापीठ का माली वहाँ आया। वह एक लंबे कद का व्यक्ति था। उसका चेहरा स्याह था। वह वही पास की ही एक कोठरी में रहता था। खड़े होते समय उसकी देह तिरछी हो जाती थी। उसने लेखिका को दरवाजे - खिड़कियाँ बंद कर आराम से सोने के लिए कहा और यह भी चेतावनी दी कि वहाँ कभी - कभी करैत साँप भी घुस आता है। लेखिका को सावधान करने के बाद वह लंबी - लंबी डगें भरता हुआ अंधेरे में खो गया। उसके चले जाने के बाद भयभीत लेखिका को उस माली के रूप में यमदूत की अनुभूति हुई। माली के इस डरावने रूप को देखकर लेखिका शिवानी जी कुछ देर तो सहमी बैठी रहीं और उसके चले जाने के बाद ही उसने राहत की साँस ली। सुबह होने पर वही टेढ़ा माली अपनी विचित्र मुस्कुराहट के साथ फिर उपस्थित हुआ। उसने लेखिका को सूचित किया कि गंगा बाबू उन्होंने बुला रहे हैं।<br>इस प्रकार भयानक अतिथिशाला का माली भी अपने आप में एक अजूबा ही था। | **4** |
| 2. | लेखक 'प्रवीण कारखानीस' जी ने 'थिंफू - भूटान की वर्तमान राजधानी' पाठ में वनसंपदा की खान भूटान के प्राकृतिक सौंदर्य का मनोहर वर्णन किया है।<br>थिंफू भूटान की राजधानी है। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य काठमांडू या दार्जिलिंग से कम नहीं है। थिंफू का राजमहल अतःवर्ती क्षेत्र में 15-16 किलोमीटर दूर है। फिलहाल यह राजमाता का निवास स्थान है। थिंफू नरेश यहाँ से दूर जंगल में बनी हुई पर्णकुटी में रहते हैं। यह पर्णकुटी एक नदी के तटपर है, जहाँ प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ सादगी भी है। थिंफू नरेश को राजमहल के शान-शोभा और वैभव पसंद नहीं है। वे सादगी पसंद व्यक्ति है इसलिए वे राजमहल में न रहकर राजमहल से मीलों दूर नदी के किनारे बनी एक पर्णकुटी में रहते हैं। | **4** |
| 3. | विश्वविख्यात पंडित गंगाधर शास्त्री जी अपने कर्तव्य के प्रति बेहद निष्ठावान थे। उनके पास विद्यार्थी बहुत दूर-दूर से पढ़ने आते थे। एक दिन पंडित जी के बेटे की मृत्यु हो गई, फिर भी उन्होंने रोज की तरह अपने छात्रों को पढ़ाया। जब छात्रों को इस दुखद घटना की जानकारी हुई, तो उनमें से एक छात्र ने पंडित जी से हैरान होकर पूछा कि इस दुख की घड़ी में भी उन्होंने पढ़ाना बंद क्यों नहीं किया? यह सुनते हुए पंडित जी ने कहा कि पुत्र शोक मेरी व्यक्तिगत हानि है। तुम लोग बहुत दूर-दूर से आए हो। भला तुम्हारा एक दिन मैं कैसे बदबाद करता ?<br>इस प्रकार पंडित गंगाधर शास्त्री जी ने पुत्रशोक के दुख की घड़ी में भी ज्ञान की आराधना करते हुए कर्तव्यपरायणता का अद्वितीय आदर्श प्रस्तुत किया। | **4** |

4. लेखक 'प्रेमानंद चंदोला' जी ने 'तुलसी का बिरवा' पूरक पठन पाठ में तुलसी के धार्मिक, सामाजिक व औषधीय महत्त्व को दर्शाया है। **4**

हिंदुस्तान में तुलसी के पौधे को बहुत ही महत्त्वपूर्ण माना गया है। यहाँ के लोग तुलसी के पौधे को बहुत ही पवित्र और पूज्नीय मानते हैं। यही कारण है कि अधिकतर घरों में यह पौधा पाया जाता है। हिंदू स्त्रियाँ तुलसी के पौधे की पूजा - परिक्रमा करती हैं। इसपर नैवेद्य, रोली और अक्षत चढ़ाती हैं। धूप - दीप के साथ आरती की जाती है। तुलसी की शादी रचाती हैं। चरणामृत में तुलसी की पत्तियाँ अनिवार्य रूप से डाली जाती हैं। पूजा के जलपात्र में पानी के साथ तुलसी दल देवताओं को चढ़ाया जाता है। मरते समय आदमी के मुख में तुलसी की पत्ती रखे बिना संस्कार पूरा नहीं होता। हिंदू लोगों द्वारा जनेऊ व चूड़ी वगैरह टूटने पर पवित्र जगह यानी तुलसी के पास रखे जाते हैं।

इस प्रकार हिंदुस्तान के जनजीवन एवं जनमानस पर तुलसी का प्रभाव जन्म से मृत्यु तक बड़ी गहराई के साथ जुड़ गया है।

**अथवा**

**निम्नलिखित पठित पूरक पाठों में से किसी एक का सार लिखिए।**

1. **तुलसी का बिरवा** **8**

लेखक 'प्रेमानंद चंदोला' जी ने 'तुलसी का बिरवा' पूरक पठन पाठ में तुलसी के धार्मिक, सामाजिक व औषधीय महत्त्व को दर्शाया है।

भारतवासियों को जिन चीजों से लाभ होता है, वे उनकी पूजा करना नहीं भूलते। यही कारण है कि भारत के अधिकांश घरों में तुलसी का पौधा पाया जाता है। स्त्रियाँ तुलसी का विवाह भी रचाती हैं। ईसाई धर्म के लोग भी तुलसी को पवित्र मानते हैं। इटली और ग्रीस के लोगों को तुलसी के गुणों की जानकारी पहले से है। संत बेसिल दिवस पर स्त्रियाँ तुलसी की डालियाँ गिरजाघर में ले जाती है और घर वापस आने पर उन टहनियों को फर्श पर बिखेर देती हैं। जिससे आने वाला वर्ष लाभकारी हो। तुलसी के 'बेसिल, सेक्रेट बेसिल', 'बसिलिकोन', 'ओसिमम सैक्टम तथा 'ल पलांति रोयली' आदि अनेक नाम हैं। भारतवासी खाँसी, सर्दी, जुकाम गले की बीमारियों तथा मलेरिया जैसे रोगों में तुलसी के पत्तों का गर्म पानी या चाय के रूप में उपयोग करते हैं। इसकी मंजरी का उपयोग भी बीमारियों में किया जाता है। इसकी तेज सुगंध कीटाणुओं को नष्ट कर देती है। इससे कीट - पतंगे और मच्छर दूर भाग जाते हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार तुलसी रोगाणुओं तथा संक्रमण को रोकती है। कुछ वर्ष पूर्व दिल्ली के एक वैज्ञानिक अनुसंधान ने खोज कर बताया कि तुलसी के तैलीय पदार्थ से टी. बी. (यक्षमा) जैसे रोगों का नाश हो जाता है। भारतवासी धार्मिक कार्यों में भी तुलसी के पत्ते का प्रयोग करते हैं। चरणामृत तथा देवताओं को चढ़ाए जानेवाले जल में भी तुलसी का पत्ता अवश्य डालते हैं। अभी इस क्षेत्र में वैज्ञानिकों द्वारा और भी अनुसंधान की जरूरत है।

2. गंगा बाबू हैं कौन ? शिवानी जी द्वारा लिखित एक प्रसिद्ध संस्मरण है। इस संस्मरण में शिवानी जी ने एक ऐसे व्यक्तित्व को प्रस्तुत किया है जो स्वयं असंख्य संस्मरणों के जीते - जागते शब्दकोश थे। **8**

गंगा बाबू का नाटा - सा कद, भारी - भरकम शरीर, सरल वेशभूषा, गंभीरता के लिए मुख - मंडल को रौशन करती हुई उनकी मोहक मुस्कान सहज ही सभी को आकर्षित कर लेती थी । शिवानी जी को लिखे एक प्रोत्साहन पत्र में गंगा बाबू ने संस्मरण कला का सार कुछ इस प्रकार प्रस्तुत किया था, ''संस्मरण ऐसा हो जिसे कभी देखा भी न हो, उसकी साक्षात छवि ही सामने आ जाए, उसका क्रोध, उसकी परिहास रसिकता, उसकी दयालुता, उसकी गरिमा, उसकी दुर्बलता सब कुछ सशक्त लेखनी आँकति चली जाए, वहीं उसकी सच्ची तस्वीर है, वही सफल संस्मरण है ।'' गंगा बाबू से लेखिका का परिचय लगभग दस वर्ष पूर्व हुआ था । शिवानी जी ने गंगा बाबू को संस्मरणों को अथाह खजाने के रुप में अनुभव किया । किसी गोष्ठी की अध्यक्षता करनी हो, या किसी अनुष्ठान के लिए आमंत्रित करना हो, गंगा बाबू हमेशा हिंदी के साहित्यकारों से अनुरोध करना नहीं भूलते थे । फिर चाहे वे महादेवी जी हो या शिवानी जी । गंगा बाबू के ऐसे ही आत्मीय आग्रह पर शिवानी जी लक्खी सराय की बालिका विद्यापीठ के 'कन्याओं की विदा' के कार्यक्रम में उपस्थित हुई थी । यह विद्यालय प्रथम राष्ट्रपति बाबू राजेंद्र प्रसाद जी की प्रिय शिक्षण - संस्था थी । इसी विद्यापीठ के अहाते में गत वर्ष गंगा बाबू के आग्रह पर महादेवी जी ने वृक्ष लगाया या और इस वर्ष शिवानी जी ने उसी वृक्ष के पास एक पौधा लगाया । कन्याओं की विदाई के अवसर पर आमंत्रित शिवानी जी की चार दिनों तक गंगा बाबू ने जिस आत्मीयता से देखभाल की थी, उसे लेखिका कभी भूला नहीं पाई । वहाँ से चलते समय उन्होंने लेखिका को इतनी सौगातें बाँध दी, जैसे वे लेखिका के रूप में अपनी पुत्री को विदा कर रहे हो ।

गंगा बाबू के अनुरोध पर ही लेखिका बाबू राजेंद्र प्रसाद जी की मूर्ति का अनावरण करने के लिए पटना भी गई थीं । कुछ महीनों पहले वे लखनऊ में भी गंगा बाबू से मिली थीं । वहाँ हिंदी संस्थान के किसी आयोजन में बीमारी की हालात में भी वे आए थे ।

गंगा बाबू हिंदी के एक सच्चे सफल सेनानी थे । उन्हें कभी किसी प्रशस्ति या यश - ख्याती की भूख नहीं रही । वे जीवनभर हिंदी के लिए संघर्षरत और समर्पित रहे । गंगा बाबू ने कभी - भी अपने कृतित्व का प्रचार नहीं किया । कम से कम हिंदी के लिए समर्पित व्यक्तियों संस्थाओं को अखिल भारतीय हिंदी संघ की स्थापना करने वाले गंगा बाबू (गंगा शरण सिंह जी) को नहीं भूलना चाहिए । सचमुच गंगा बाबू हिंदी के एक तपः पूत थे ।

**उ.4. च) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द का स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :**

1. <u>आजकल</u> सोना महँगा हैं । **1**
2. <u>वाह !</u> क्या बात कहीं आपने । **1**

**छ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद लिखिए :**

1. <u>पर</u> - अव्यय **1**
2. <u>उन्होंने</u> - सर्वनाम **1**

**ज) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए :**

1. घोड़ा बेदम हो जाएगा । **1**
2. बहुत से नेता आ रहे हैं । **1**

**झ) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त सहायक क्रिया पहचानकर लिखिए :**

1. लगा (लगना) सहायक क्रिया । **1**
2. दो (देना) सहायक क्रिया । **1**

**अथवा**

**निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया का सहायक क्रिया के रूप में अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।**

1. वाक्य - सुबह होते ही कमल खिल उठा । **1**
2. वाक्य - वह बैठकर रोने लगा । **1**

**ट) निम्नलिखित क्रियाओं में से किसी एक क्रिया के प्रथम तथा द्‌वितीय प्रेरणार्थक क्रियारूप लिखिए :**

| मूल क्रिया | प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया | द्‌वितीय प्रेरणार्थक क्रिया |
|---|---|---|
| 1. मरना | मराना | मरवाना **1** |
| 2. सुनना | सुनाना | सुनवाना **1** |

**अथवा**

**निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त प्रेरणार्थक क्रियारूप छाँटकर उसका प्रकार लिखिए :**

1) बजाई - प्रथम प्रेरणार्थकरूप । **1**
2) फिकवाएँ - द्‌वितीय प्रेरणार्थकरूप । **1**

**ठ) निम्नलिखित अशुद्‌ध वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्‌ध करके लिखिए:**

1. निराशा ने पनाह ले ली । **1**
2. मैं काकरोच से डरती हूँ । **1**
3. यहाँ का घी बहुत शुद्‌ध होता हैं । **1**

**अथवा**

**निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों के लिए योग्य विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए:**

1) किसी ने कहा,'' जब कष्ट हो रहा था, तो आप रूके क्यों नहीं ?'' **1**
2) मैंने कहा,''भैया, मत रोओ, सिर दुखेगा ।'' **1**
3) अब चपरासी कहता,''अब कचहरी में मिलना ।'' **1**

| | | |
|---|---|---|
| | (ड) निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं तीन मुहावरों के हिंदी में अर्थ देकर उनका अर्थपूर्ण एवं स्वतंत्र वाक्यों में प्रयोग कीजिए: | |
| 1. | साँस फूलना – हाँफने लगना ।<br>वाक्य : दो - चार सीढ़ियाँ चढ़ते ही दादाजी की साँस फूलने लगती है । | 1 |
| 2. | पता चलना – मालूम होना ।<br>वाक्य : भारत पर आतंकवादी हमला करने की योजना बना रहे समूह के बारे में पुलिस को पता चल गया । | 1 |
| 3. | साफ कर देना – खत्म या नष्ट कर देना ।<br>वाक्य : नौकर ने मौका पाकर सेठ जी की तिजोरी साफ कर दी । | 1 |
| 4. | मुँह मोड़ना – उपेक्षा करना ।<br>वाक्य : लॉटरी लग जाने पर उसने अपने गरीब मित्रों से मुँह मोड़ लिया । | 1 |
| 5. | दीवार टूट जाना – अड़चन समाप्त हो जाना ।<br>वाक्य : बच्चे के आने से माता - पिता के बीच पड़ी दीवार टूट गई । | 1 |
| | **अथवा** | |
| | **निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं तीन वाक्यों में अधोरेखांकित वाक्यांशों के बदले कोष्ठक में दिए गए मुहावरों में से योग्य मुहावरे का प्रयोग करके शुद्ध वाक्य फिर से लिखिए :**<br>**(खिखिलाकर हँसना, ताता बँधा रहना, हाथ में आना, मुँह फेरना, मोल लेना)** | |
| 1) | जब तक माँ का दिया हुआ काम पूरा नहीं होगा, कुसुम को चैन नहीं मिलेगा । | 1 |
| 2) | छोटी बहन को दौड़ में पहली आती हुई देखकर सावित्री खिल- खिलाकर हँसने लगी । | 1 |
| 3) | अप्रिय बात सुनकर हममें से कोई भी नाक - भौं सिकोड़ेगा । | 1 |
| 4) | हमारे जीवन में गुदगुदाने वाले क्षण बहुत कम होते हैं । | 1 |
| 5) | पुनीत ने अपनी गलती पर पिताजी के पैर पकड़े । | 1 |
| उ.**5**. | **निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 150- 200 शब्दों तक निबंध लिखिए :** | |
| 1) | Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.124 - Q.29 | 10 |
| 2) | Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.118 - Q.22 | 10 |
| 3) | Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.104 - Q.9 | 10 |
| 4) | Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4- Page No.137 - Q.43 | 10 |
| उ.**6**. | (त) निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से किसी एक पत्र का प्रारूप (नमूना) लिफाफे सहित तैयार कीजिए : | |
| 1) | Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1 - Page No. 187 - Q.4 | 4 |
| 2) | Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 192 - Q.9 | 4 |

(थ) निम्नलिखित रूपरेखा के आधार पर कहानी लिखिए। यह भी दर्शाइए कि उससे क्या सीख मिलती है।

Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 201 - Q. 3 **4**

(द) निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक - एक वाक्य में हो :

Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 4 - Page No. 84 - Q.10 **4**

❐❐❐❐❐